



Paper Code

BS-CT-401

Roll No. ....

Signature of Invigilator .....

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination June – 2022

B.Sc. Yoga Science, Semester : Fourth  
Yoga Science ; Paper : Second

Essence of Principal Upanishads

Time: 3 Hours

Max. Marks: 70

Note: This paper is of seventy (70) marks divided into two (02) sections A, and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

Section - A / खण्ड-क

(Long Answer Type Questions) / (दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'A' contains five (05) long-answer-type questions of fifteen (15) marks each. Attempt any three questions. (3×15=45)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. उपनिषद् शब्द को परिभाषित करते हुए ईशावास्योपनिषद् के अनुसार ज्ञाननिष्ठा को समझाइए।

Defining the term Upanishad, explain the loyalty of knowledge according to Ishavasyopanishad.

2. कठोपनिषद् के अनुसार स्वयं को जानने की साधना पद्धति बताते हुए आत्मज्ञान की महिमा को विस्तार से समझाइए।

Explain in detail the glory of self-knowledge, while describing the method of knowing oneself according to the Kathopanishad.

3. मुंडकोपनिषद् में ब्रह्म प्राप्ति के साधन का वर्णन करते हुए ब्रह्मवेत्ता की गति किस प्रकार की होती है? सविस्तार समझाइए।

Describing the means of attaining Brahma in Mundakopanishad what is the speed of the Brahmaveta? Explain in detail.

4. ईशोपनिषद् में वर्णित ईश्वर के स्वरूप को मंत्र सहित समझाइये।

Elucidate the nature of God with mantra as mentioned in Ishopnishad.

5. केनोपनिषद् के अनुसार आत्मज्ञान की क्या महानता है? सविस्तार समझाइए।

What is the greatness of enlightenment according to Kenopanishad? Explain in detail.

## Section - B / खण्ड-ख

### (Short Answer Type Questions) / (लघु-उत्तरीय प्रश्न)

**Note:** Section 'B' contains Seven (07) short-answer-type questions of five (05) marks each. Attempt any five (05) questions. (5×5=25)

**नोट :** खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

6. ईशावास्योपनिषद् में शरीर की नश्वरता की क्या प्रार्थना है?

What is the prayer for the impermanence of the body in the Ishavasya Upanishad?

7. कर्मनिष्ठा को समझाइए।

Explain Karma Fidelity?

8. कठोपनिषद् में सांसारिक सुख को क्यों व्यर्थ कहा गया है?

Why are worldly pleasures said to be in vain in the Kathopanishad?

9. मुण्डकोपनिषद् के अनुसार, ब्रह्म की विराटता का परिचय दीजिए।

According to Mundkopianishad, introduce the vastness of Brahman.

10. उद्गीथ (ओम्कार) ध्यान को समझाइए।

Explain Udgith (Omkar) meditation.

11. इंद्रियज्ञान आत्मज्ञान से किस प्रकार भिन्न है? अथवा, कठोपनिषदानुसार इन्द्रिय स्वरूप को श्लोक सहित लिखिए।

Explain how sense knowledge is different from self knowledge? **OR**, Write the nature of senses with shloka according to kathopnishad.

12. प्रश्नोपनिषद् का परिचय देते हुए प्राण की महिमा का वर्णन करें।

Giving Introduction of Prashnupnishad, describe the glory of prana.

-----X-----